विद्याभवन , बालिका विद्यापीठ , लखीसराय

विषय-हिंदी ***दिनांक—31/05/2020***
वर्ग-तृतीय ***वर्ग-शिक्षक — नीतू कुमारी***

पाठ-3(पुनरावृति)
स्वर की मात्राएँ

सुप्रभात बच्चों,
पिछली कक्षा में आपने स्वर की मात्राएँ पढ़ चुके है। आज फिर से उसी पाठ को दुहरा रहीं हूँ। जो इस प्रकार है:—

बच्चों! आपने यह कविता अवश्य पढ़ी होगी या सुनी होगी—

मछली जल की रानी है,
जीवन उसका पानी है।
हाथ लगाओ, डर जाएगी।
बाहर निकालो, मर जाएगी।

चलिए,अब बताइए कि आपको इस कविता को क्यों याद दिलाया गया।
इस कविता में —
•म,छ,ज,ल,व,न,ह,र जैसे व्यंजन वर्ण आएँ हैं।
•उ,ओ , ए स्वर भी आए हैं।

लेकिन आपने देखा —
•'मछली' में 'ल'के साथ 'ी'चिह्न आया है। 'जीवन' में 'ज' के साथ 'ी' चिह्न आया है।
•हाथ में 'ह'के साथ 'ा' चिह्न आया है। 'बाहर' में भी 'ब'के साथ 'ा' चिह्न आया है।
इसी प्रकार कुछ अन्य चिह्न भी आए है। व्यंजन के साथ जुड़े ये चिह्न स्वरों की मात्राएँ हैं। इन्हें इस प्रकार समझिए —-
ल+ई = ली = मछली
ज + ई = जी = जीवन
ह + आ = हा = हाथ
ब + आ = बा = बाहर

आज के लिए बस इतना ही , शेष अगली कक्षा में।

दी गयी अध्ययन-सामग्री पढ़ें तथा समझने का प्रयास करें।

गृहकार्य :—
इन स्वरों की मात्राएँ वाले दो-दो शब्द लिखिए—
(क) इ - किरण — _____ _____
(ख) ए - पेड़ — _____ _____
(ग) ओ -मोर — _____ _____
(घ) ऊ- कूल — _____ _____
(ङ) आ- मान — _____ _____